

पृष्ठ 64

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर जोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- संख्याएँ पढ़वाएँ। खाली घर में कौन सी संख्या उस पर चर्चा, सही अंक कार्ड चुनवाएँ।
- तीलियों के 10-10 के बंडल बना लें। हर टोली को लगभग 10 बंडल और लगभग 50 खाली काड़ियाँ दें। जो खाने छूटे हैं, उनके 10-10 अंक कार्ड और बना लें और हर टोली को हर ऐसे अंक की 2-3 प्रतियाँ दें। हर टोली को एक-एक पासा या 6-6 चिए (फूटे हुए) दें।
- बच्चों को 4-4 की टोली में बांट दें।
- टोली का हर बच्चा अपनी बारी से चाल चले। यदि उसकी चाल भरे खाने पर आए तो बच्चे को उतनी काड़ियाँ उठानी हैं। सही उठाने पर उसकी गोटी वहीं रहेगी। नहीं तो दो घर पीछे। यदि दो घर पीछे का घर भरा है तो उतनी काड़ियाँ, उठाना।
- यदि खाली घर पर गोटी पड़े तो सही अंक कार्ड चुन कर रखना है।
- नए घर पर पहुंचने पर पुरानी काड़ियाँ अंक कार्ड वापस डाल दें और नई संख्या के हिसाब से उठाएँ।
- इस प्रकार जिस घर में उस बच्चे की गोटी है, उसके पास उतनी काड़ियाँ, अंक कार्ड होने चाहिए।
- कई बार खेल-खेल लेने के बाद खाली जगह में सही अंक लिख दें।

नोट :- यह 50 तक की संख्याओं का पहला पन्ना है। इस पर संख्या पढ़ने, गिनने आदि के अभ्यास करें।

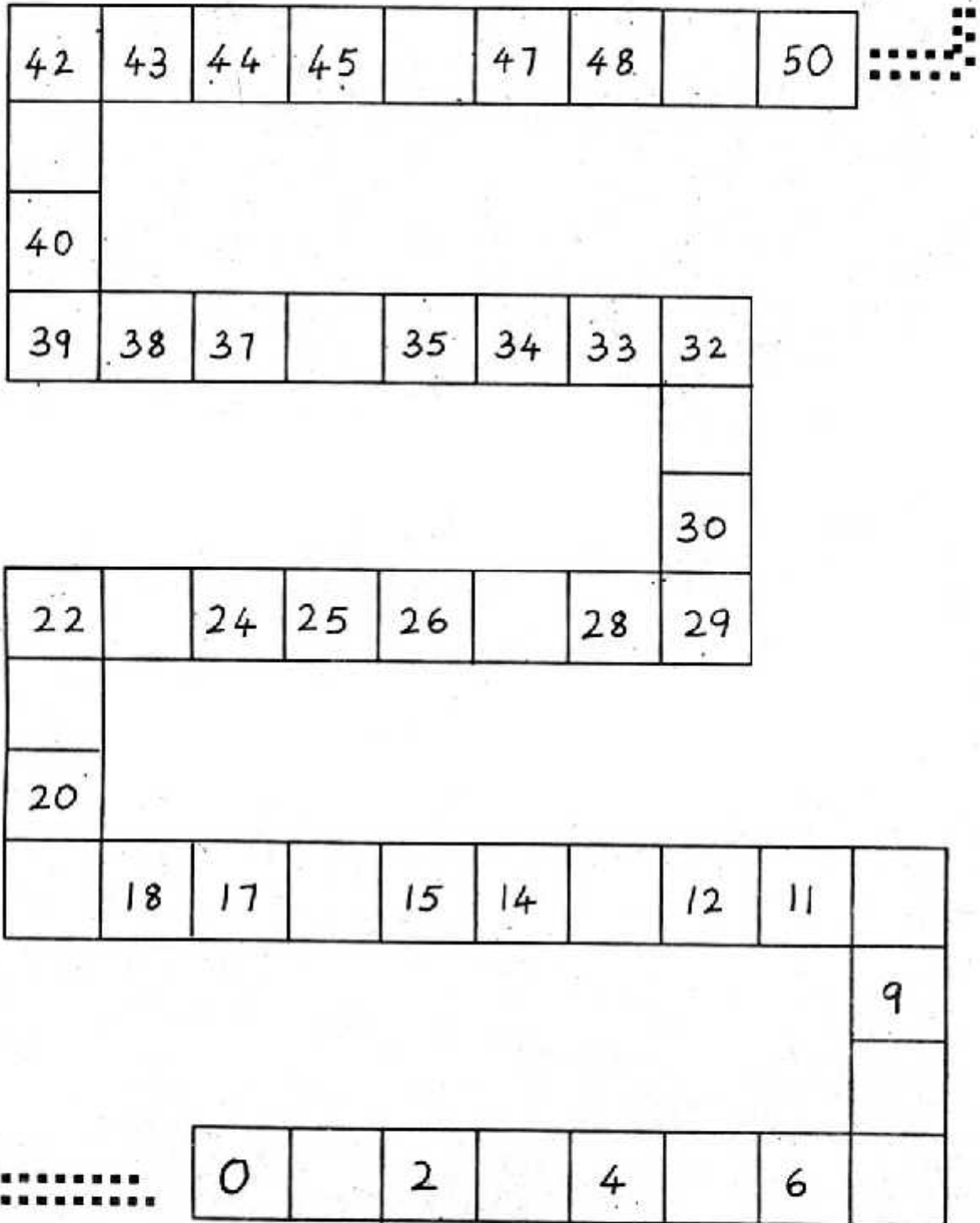
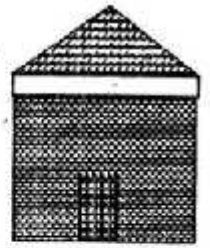
- काड़ियों के उपयोग से बड़ी संख्याओं को दहाई व इकाई के (43 को 40+3) के रूप में समझने के पर्याप्त मौके दें।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री
--------	---------	----------	-----	---------

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?





पृष्ठ 65

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा। क्या-क्या है? चांद कहाँ है? कौन से पक्षी है? कहाँ बैठे हैं? क्या खा रहे हैं?.....दोनों में क्या बात हो रही होगी... आदि। कितने पक्षी, कितने फल कितने पैर कितने पर?.....आदि।
- पक्षियों के बीच बातचीत के कुछ वाक्य श्यामपट पर लिख कर पढ़वाना। खाली कार्डों पर वाक्य के शब्द लिखकर बच्चे उनसे वाक्य बनाएँ।
- चित्र पर कहानी - अलग-अलग समय पर अलग-अलग कहानी कहें। बच्चों को कहानी कहने दें।
- तोता, पेड़ के शब्द कार्ड डूँडना।
- तोतों के बीच बातचीत का अभिनय।

नोट :- चित्र पर दो तरह से चर्चा कराएँ- चित्र में क्या है क्या हो रहा है? और दोनों पक्षियों में बातचीत क्या हो रही होगी?

- चित्र में जगह की समझ और काल्पनिकता दोनों का पुट महत्वपूर्ण है।

इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाई व कराई (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

मैं भी

मुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचे व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर जोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा।
- कहानी सुनना, सुनाना।
- उंगली रखकर पढ़ना।
- 'मैं भी' जैसे वाक्यांशों की पहचान। बोला, बोली, चूजा, बतख आदि की भी पहचान।
- चित्रों को वाक्यों के साथ पहचानना जैसे 'मैं ने तितली पकड़ी' - कहाँ है....
- कहानी स्वयं पढ़ने की कोशिश करें।
- पात्र बनकर अभिनय करें।
- कहानी का अंत सोचें, कहानी आगे बढ़ाएं।
- पृष्ठ 60 से 62 के अभ्यास करें। शब्द वाक्य पहचान के साथ साथ अक्षर व मात्रा पहचान। इनमें नए शब्द व वाक्य बनाना।

नोट :- इस चित्र कहानी में पढ़ने की सहूलियत (बार-बार उन्हीं शब्दों, वाक्यांशों की पुनरावृत्ति) है। अतः इसे पढ़ना सीखने के लिए अच्छी तरह उपयोग किया जा सकता है।

- इस में दूसरी बात क्रम की और तर्क की है। इसी आधार पर कहानी आगे बढ़ाने का काम भी हो सकता है।

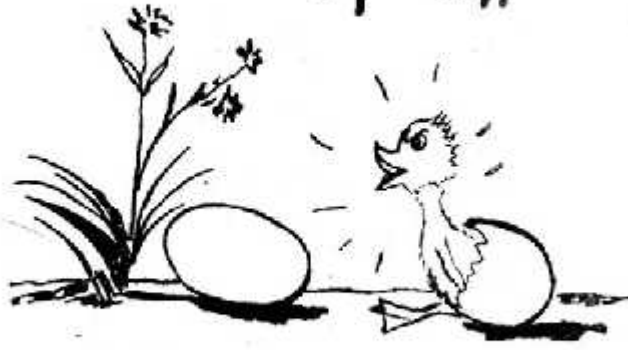
इस पन्ने पर आपने कौन सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएं	समय	सामग्री

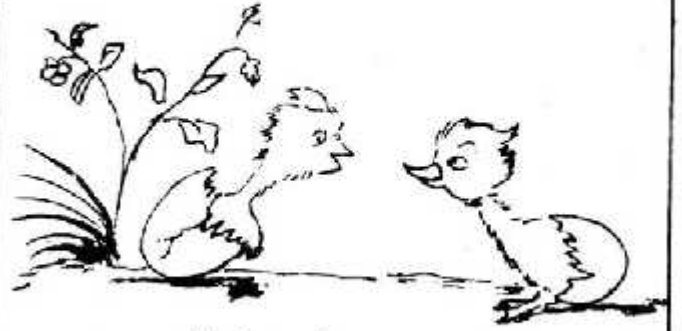
आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन सी गतिविधियों में ज्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

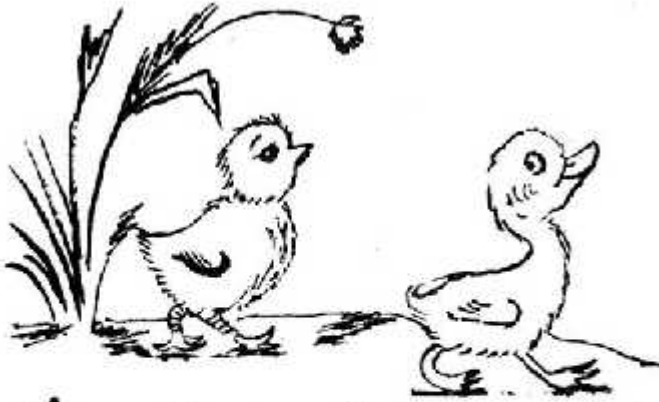
मैं भी



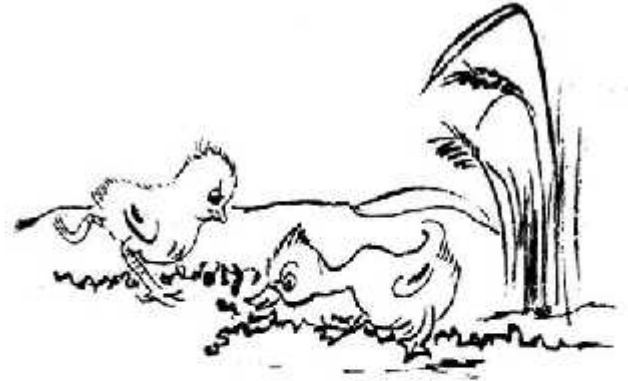
एक अंडे में से बत्तख निकली।
मैं आ गई - वह बोली।



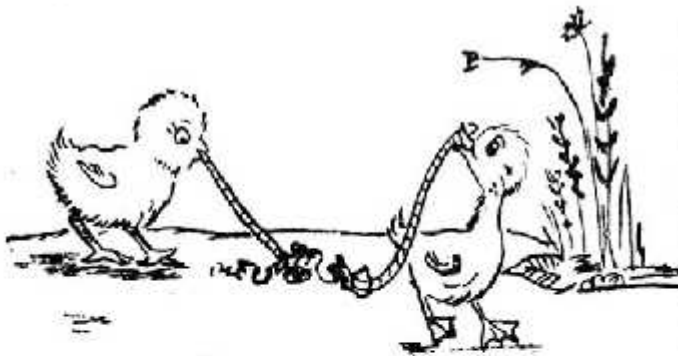
दूसरे अंडे में से चूज़ा निकला।
मैं भी - वह बोला।



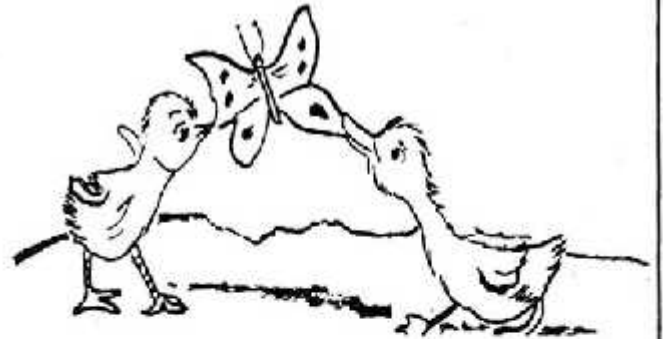
मैं घूमने जा रही हूँ - बत्तख बोली।
मैं भी - बोला चूज़ा।



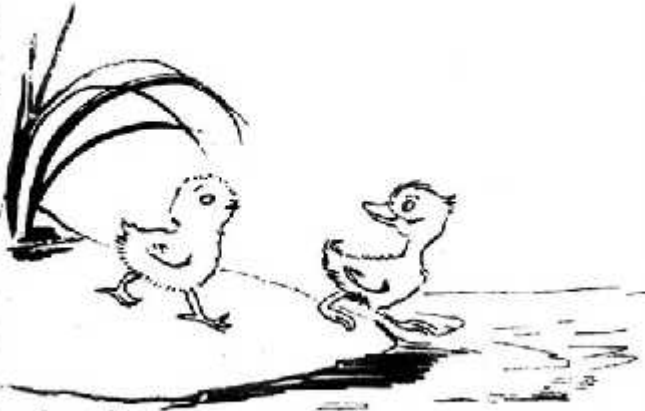
मैं गड्ढा खोद रही हूँ - बत्तख बोली।
मैं भी - बोला चूज़ा।



मुझे एक केंचुआ मिला - बत्तख बोली।
मुझे भी - बोला चूज़ा।



मैं ने तितली पकड़ी - बत्तख बोली।
मैं ने भी - बोला चूज़ा।



मैं तैरना चाहती हूँ - बत्तख बोली।
 मैं भी - बोला चूज़ा।



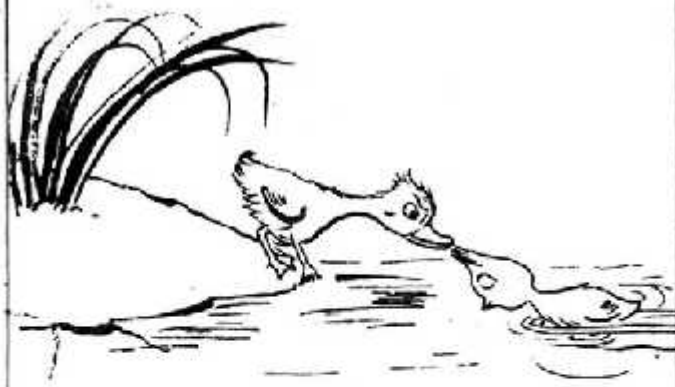
देखो, मैं तैर रही हूँ - बत्तख बोली।



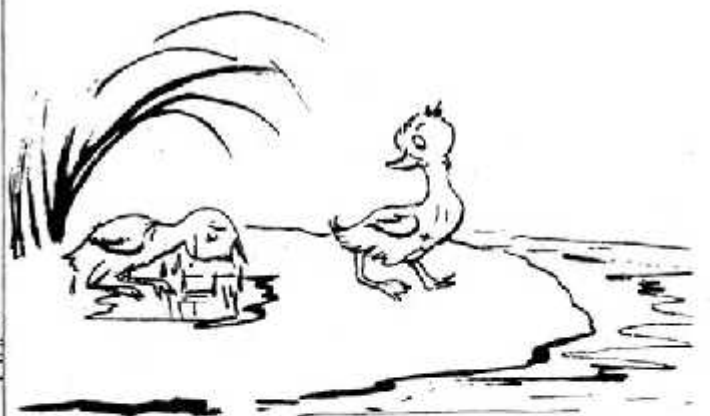
मैं भी - बोला चूज़ा।



बचाओ !



बत्तख ने चूज़े को बाहर निकाला।



मैं फिर तैरने जा रही हूँ - बत्तख बोली।
 मैं नहीं - बोला चूज़ा।